दिनांक 19 सितम्बर, 2024 को आयोजित सोलहवीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक की कार्यवाही

कृषि विज्ञान केन्द्र, हलसी, लखीसराय के प्रशिक्षण सभागार में सोलहवीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 19 सितम्बर, 2024 को डा० आर० के० सोहाने, निदेशक प्रसार शिक्षा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर के अध्यक्षता में सम्पन्न की गई, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में डा० अमरेन्द्र कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, आई०सी०ए०आर०–अटारी, पटना (जोन–IV), लखीसराय जिले के लाईन डिपार्टमेंट केसदस्यगण जिला कृषि पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, डी०डी०एम०, नाबार्ड एवं प्रबंधक जिला अग्रणी बैंक लखीसराय आदि सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में आए हुए मुख्य अतिथि सह सभाध्यक्ष निदेशक प्रसार शिक्षा, बी०ए०यू०, सबौर का विधिवत स्वागत डा० शम्भू राय, वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र, हलसी, लखीसराय द्वारा किया गया तद्पश्चात् विशिष्ट अतिथि, जिले के लाईन डिपार्टमेंट के सदस्यों एवं प्रगतिशील किसानों का विधिवत स्वागत किया गया।

तत्पश्चात केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, डा० शम्भू राय द्वारा वैज्ञानिक सलाहकार समिति की अनुमोदन एवं अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसपर बैठक के सभी सदस्यों ने ध्वनी मत से सहमति प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान सभाध्यक्ष, डा० आर० के० सोहाने ने कृषि विज्ञान केन्द्र के सभी विषय वस्तु विशेषज्ञों क्रमशः डा० सुधीर चन्द्र चौधरी (पादप प्रजनन), डा० बिनोद कुमार सिंह (सस्य), डा० सुनील कुमार सिंह (उद्यान), डा० रेणु कुमारी (गृह विज्ञान) एवं डा० निशांत प्रकाश (पौधा रोग) से संबंधित विषयों की जानकारी प्राप्त की तथा किसानों के आर्थिक उन्नति को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये तथा कृषि विज्ञान केन्द्र का प्रशंसा करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र, लखीसराय कृषि के क्षेत्र में अग्रणी स्थान स्थापित किया ही है साथ ही दलहल बीज उत्पादन में भी जोनल स्तर पर अच्छा योगदान दे रहा है। बैठक के दौरान निम्नलिखित कार्यवाही की अनुशंसा की गई :–

1. बैठक के दौरान किसानों द्वारा दलहन सीड हब से जुड़े दलहन बीज उत्पादक को बोनस प्रदान किये जाने की ओर समिति सदस्यों को ध्यानाकर्षित किया गया, जिसपर डा० अमरेन्द्र कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, आई०सी०ए०आर०–अटारी, पटना (जोन–IV) द्वारा कहा गया कि सीड हब के अन्तर्गत बोनस का कोई प्रावधान नहीं है। उनके द्वारा कहा गया कि चुंकि बीज उत्पादन का कार्य राज्य सरकार के लिए की जाती है। अतः इस दिशा में आवश्यक पहल करने हेतु जिला के लाईन डिपार्टमेंट के सदस्यों से आग्रह किया जाय।

   (कार्रवाईः जिला कृषि पदाधिकारी, लखीसराय व वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, कृ०वि०के०, हलसी)

2. जिला कृषि पदाधिकारी, लखीसराय द्वारा कहा गया कि कृ०वि०के०, हलसी के अन्तर्गत बीज हब योजना से जुड़े दलहन बीज उत्पादक किसानों द्वारा **उत्पादित दलहन बीज की उपलब्धता की सूचना/डाटा** तैयार कर जिला को ससमय भेजी जाय जिससे कि बोनस हेतु अग्रेतर कार्रवाई की जा सके तथा उनके द्वारा यह भी सलाह दिया गया कि टैग युक्त बीज को ही बीज की श्रेणी में रखा जाएगा।

   (कार्रवाईः जिला कृषि पदाधिकारी, लखीसराय तथा वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, कृ०वि०के०, हलसी)

3. सभाध्यक्ष, निदेशक प्रसार शिक्षा, बी०ए०यू, सबौर द्वारा निर्देशित किया गया कि केन्द्र के द्वारा उत्पादित दलहन बीज की उपलब्धता की सूचना/डाटा तैयार कर जिला कृषि पदाधिकारी, लखीसराय एवं प्रसार शिक्षा निदेशालय, बी०ए०यू०, सबौर को ससमय भेजें ताकि हम निदेशालय स्तर से भी बिहार राज्य बीज निगम को बोनस के संदर्भ में सूचित किया जा सके।

(कार्रवाईः वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान तथा प्रभारी सीड हब)

4. डा० अमरेन्द्र कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, आई०सी०ए०आर०–अटारी, पटना (जोन–IV) द्वारा डा० सुनील कुमार सिंह (Co-PI NICRA) को निर्देशित किया गया कि अंगीकृत निक्रा गाँवों में पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाय, जिससे पशुपालक लाभान्वित हो सके।

(कार्रवाईः वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान तथा डा० सुनील कुमार सिंह (Co-PI NICRA))

5. बैठक के दौरान अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि प्रत्येक तिमाही के अंतिम तारीख को आगामी तिमाही में होने वाले प्रशिक्षण का कैलेण्डर तैयार कर प्रसार शिक्षा निदेशालय, बी०ए०यू०, सबौर एवं जिला के संबंधित विभाग को भेजना सुनिश्चित करें।

(कार्रवाईः वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान तथा सभी विषय वस्तु विशेषज्ञ)

6. सभाध्यक्ष, निदेशक प्रसार शिक्षा, बी०ए०यू, सबौर द्वारा लाईन डिपार्टमेंट के सदस्यगण से अनुरोध किया गया कि जिला स्तरीय कृषि प्रसार कार्यकर्त्ताओं का प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केन्द्र के परिसर में रखें, जिसमें होने वाले खर्च का वहन कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा की जाएगी।

(कार्रवाईः वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान तथा लाईन डिपार्टमेंट के सदस्यगण, लखीसराय)

7. जिला उद्यान पदाधिकारी, लखीसराय द्वारा सदन से अनुरोध किया गया कि ग्राम–बलीपुर, प्रखंड–पिपरिया में 17 किसानों के समूह द्वारा फूलों की खेती की जा रही है। अतः बलीपुर ग्राम में फूल की खेती से संबंधित प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से आयोजित की जाय, जिससे किसान फूल की उन्नत प्रभेदों की जानकारी प्राप्त करने के साथ–साथ खेती के नवीन तकनीकों को जानकर लाभान्वित हो सके।

(कार्रवाईः वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान तथा संबंधित विषय वस्तु विशेषज्ञ)

8. बैठक के दौरान डा० अमरेन्द्र कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, आई०सी०ए०आर०–अटारी, पटना (जोन–IV) द्वारा सदन से कहा गया कि जिले में किसानो के प्रक्षेत्र पर जिला एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त भ्रमण की सूचि तैयार की जाय जिससे किसानों द्वारा अपनायी जा रही कृषि तकनीकों एवं समस्याओं को अवलोकन कर उनके समस्याओं का निदान हेतु उचित मार्गदर्शन दिया जा सके तथा किसानों को तकनीकी जानकारी उनके लोकल भाषा में ही देने की बात कही जिससे कि किसान वैज्ञानिकों की बातें भली भाँति समझ सके।

(कार्रवाईः वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, संबंधित विषय वस्तु विशेषज्ञ एवं लाईन डिपार्टमेंट के सदस्यगण, लखीसराय)

9. बैठक के दौरान सभाध्यक्ष द्वारा बीज हब के तहत बिहार राज्य बीज निगम, पटना को बिक्रय की गयी बीज की बकाया राशि को लाने हेतु डा० सुधीर चन्द्र चौधरी (प्रभारी, बीज हब) एवं श्री विजय कुमार सिंह (सहायक) को अधिकृत किया गया।

(कार्रवाईः वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, डा० सुधीर चन्द्र चौधरी (प्रभारी, बीज हब) एवं श्री विजय कुमार सिंह (सहायक))

10. जिला मत्स्य पदाधिकारी, लखीसराय द्वारा सदन से अनुरोध किया गया कि कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से किसानों को मछली पालन से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु भेजा जाय, जिसमें किसानों के आने–जाने व भोजन आदि की समूचित व्यवस्था रहती है साथ ही प्रमाण पत्र भी निर्गत किए जाते हैं। प्रशिक्षण हेतु 30 सदस्यों का बैच होना आवश्यक है।

(कार्रवाईः वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान तथा संबंधित विषय वस्तु विशेषज्ञ)

11. बैठक के दौरान सभाध्यक्ष द्वारा जिला कृषि पदाधिकारी, लखीसराय से अनुरोध किया गया कि प्रसार कार्यकर्त्ता की प्रशिक्षण हेतु रोस्टर सभी प्रखंड स्तर पर तैयार की जाय ताकि कृषि विज्ञान केन्द्र के स्तर पर प्रशिक्षण की सभी रूप–रेखा तैयार किया जा सके साथ ही केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान को Millet से संबंधित Literature जिला कृषि कार्यालय, लखीसराय को शीघ्रताशीघ्र उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

(कार्रवाईः वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान तथा जिला कृषि पदाधिकारी, लखीसराय)

12. सभाध्यक्ष द्वारा जिला कृषि पदाधिकारी, लखीसराय से कहा गया कि Millet की प्रशिक्षण हेतु किसानों की सूचि उपलब्ध कराये जाने पर Millet Expert बी०ए०यू०, सबौर से कृषि विज्ञान केन्द्र, लखीसराय भेजे जाने का आश्वासन दिया गया।

(कार्रवाईः वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान तथा जिला कृषि पदाधिकारी, लखीसराय)

13. प्रधान वैज्ञानिक, आई०सी०ए०आर०–अटारी, पटना द्वारा निर्देशित किया गया कि केन्द्र परिसर में निर्मित सभी यूनिटों के सामने स्थायी बोर्ड लगायें एवं सभी यूनिटों को सदैव सुव्यवस्थित रखें।

(कार्रवाईः वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान तथा संबंधित विषय वस्तु विशेषज्ञ)

विश्वासभाजन
ह०/–
वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान
कृ०वि०के०, हलसी, लखीसराय

ज्ञापांक सं०:. 2797 / F.No.93 / कृ०वि०के०, हलसी, लखीसराय / 2024–25 दिनांकः 16.10.2024

प्रतिलिपिः

1. निदेशक प्रसार शिक्षा, बी०ए०यू०, सबौर को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. निदेशक, आई०सी०ए०आर०–अटारी, पटना को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
3. सह निदेशक प्रसार शिक्षा, बी०ए०यू०, सबौर को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
4. जिला कृषि पदाधिकारी / जिला परियोजना निदेशक, आत्मा / जिला सहायक निदेशक (पौधा संरक्षण) / जिला उद्यान पदाधिकारी / जिला गव्य पदाधिकारी / डी०डी०एम०, नाबार्ड / जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक / जिला मत्स्य पदाधिकारी / जिला परियोजना प्रबंधक (जीविका), लखीसराय को सादर सूचनार्थ प्रेषित।

16/10/2024
वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान
कृ०वि०के०, हलसी, लखीसराय
Senior Scientist & Head
Krishi Vigyan Kendra
HALSI, LAKHISARAI